About the Book

यह पुस्तक राजस्थान CET समान पात्रता (10+2 स्तर) परीक्षा की सम्पूर्ण तैयारी के लिए एक विश्वसनीय अध्ययन सामग्री है। 23 जून, 2026 को जारी नवीनतम नोटिफिकेशन के अनुरूप तैयार की गई इस पुस्तक में संपूर्ण थ्योरी, अध्यायवार अभ्यास प्रश्न एवं परीक्षा-उपयोगी सामग्री को सरल एवं व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे अभ्यर्थी कम समय में बेहतर तैयारी कर सकें।

पुस्तक की मुख्य विशेषताएँ:

- ✓ इस पुस्तक में राजस्थान का सामान्य ज्ञान, सामान्य ज्ञान, दैनिक विज्ञान, तार्किक विवेचन, गणित, सामान्य हिंदी, General English, जन स्वास्थ्य एवं कंप्यूटर की जानकारी जैसे सभी महत्वपूर्ण विषयों को नवीनतम सिलेबस के अनुसार शामिल किया गया है।
- ✓ इस पुस्तक में संपूर्ण थ्योरी को परीक्षा पाठ्यक्रम एवं NCERT आधारित सरल, स्पष्ट एवं व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे Concepts को समझना तथा Revision करना अधिक आसान हो जाता है।
- ✓ इस पुस्तक में नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों को शामिल किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों को सटीक एवं परीक्षा-उपयोगी जानकारी प्राप्त हो सके।
- ✓ इस पुस्तक में 1600+ अध्यायवार महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्नों को शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी प्रत्येक विषय की बेहतर प्रैक्टिस कर अपनी तैयारी को और अधिक मजबूत बना सकें।
- ✓ यह पुस्तक प्रारंभिक तैयारी से लेकर अंतिम Revision तक अभ्यर्थियों के लिए एक उपयोगी अध्ययन साथी है।

राजस्थान CET समान पात्रता (10+2 स्तर) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह पुस्तक एक उपयोगी, विश्वसनीय एवं सम्पूर्ण अध्ययन साथी है।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB2255

राजस्थान CET समान पात्रता परीक्षा 10+2 स्तर सम्पूर्ण स्टडी बुक
ISBN - 978-93-7516-151-6
₹ 449

राजस्थान CET समान पात्रता परीक्षा 10+2 स्तर सम्पूर्ण स्टडी बुक

CB2255
AGRAWAL EXAMCART

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

राजस्थान CET समान पात्रता परीक्षा

10+2 स्तर

सम्पूर्ण स्टडी बुक

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

23 June, 2026 को आयोजित नोटिफिकेशन के अनुसार!

राजस्थान का सामान्य ज्ञान, सामान्य ज्ञान, दैनिक विज्ञान, तार्किक विवेचन, गणित, सामान्य हिंदी, General English, जन स्वास्थ्य एवं कंप्यूटर की जानकारी

मुख्य विशेषताएँ

1. **थ्योरी** — परीक्षा पाठ्यक्रम एवं NCERT की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित थ्योरी
2. **आँकड़े** — नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों का समावेश
3. **अभ्यास प्रश्न** — 1600+ अध्यायवार महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश

Code	Price	Pages	ISBN
CB2255	₹449	506	978-93-7516-151-6

विषय सूची

➔ **Extra Book Material ई-बुक का Content** viii
- तार्किक विवेचन एवं गणित के व्याख्यात्मक हल की ई-बुक QR Code में दी गई है।
- 5 पेपर्स की ई-बुक QR Code में दी गई है।

➔ **परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना (Important Information)** ix
(राजस्थान CET समान पात्रता 10 + 2 परीक्षा स्तर की सम्पूर्ण जानकारी एवं पुस्तक या किसी भी समस्या के लिए हमारा Helpline No.)

➔ पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न x

Unit-1 : राजस्थान का सामान्य ज्ञान

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
राजस्थान का इतिहास			
1.	प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ और पुरातात्विक स्थल (इतिहास के स्रोत–अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ)	10	1-3
2.	राजपूत काल एवं मध्य काल (प्रमुख शासक और उनकी उपलब्धियाँ)	10	4-10
3.	1857 की क्रान्ति, स्वतन्त्रता संग्राम एवं जनजागरण संस्थाएँ, किसान एवं जनजाति आंदोलन, प्रजामण्डल आंदोलन, राजस्थान का एकीकरण	10	11-18
4.	राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेली, छतरियाँ एवं बावड़ियाँ	10	19-22
5.	लोकदेवता एवं लोकदेवियाँ	10	23-28
राजस्थान की कला एवं संस्कृति			
6.	चित्रकला एवं शैलियाँ	10	29-34
7.	राजस्थान के मेले, त्योहार एवं महोत्सव	10	35-36
8.	रीति–रिवाज एवं प्रमुख दिवस	10	37-38
9.	वेशभूषा एवं आभूषण	10	39-43
10.	राजस्थान के प्रमुख मंदिर एवं मस्जिदें	10	44-48
11.	लोकगीत, नृत्य, वाद्ययंत्र	10	49-53
12.	साहित्य, समाचार–पत्र एवं पत्रिकाएँ	12	54-56
राजस्थान का भूगोल			
13.	भौगोलिक परिदृश्य	10	57-60
14.	राजस्थान के संभाग एवं जिले	10	61-74
15.	राजस्थान की जलवायु	10	75-79
16.	नदियाँ, नदी घाटी परियोजनाएँ, प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ तथा जल संसाधन	10	80-89

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
17.	राजस्थान की कृषि, पशु पालन एवं प्राकृतिक वनस्पति	10	90-99
18.	खनिज संसाधन, मिट्टी एवं ऊर्जा संसाधन	12	100-108
19.	वन संपदा, वन्य जीवन–जैव विविधता, जैव उद्यान एवं अभयारण्य	10	109-113
20.	जनसंख्या एवं जनजातियाँ	10	114-119
राजस्थान की अर्थव्यवस्था			
21.	राजस्थान की अर्थव्यवस्था	13	120-138
राजस्थान की राजव्यवस्था			
22.	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था	16	139-152
विविध			
23.	प्रमुख व्यक्तित्व	10	153-158
	कुल प्रश्न	243	

Unit-2 : सामान्य ज्ञान

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	भारत का इतिहास	50	1-15
2.	भारत का भूगोल	27	16-31
3.	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	25	32-41
4.	भारतीय संविधान	25	42-58
5.	भारतीय अर्थव्यवस्था	16	59-65
	कुल प्रश्न	143	

Unit-3 : दैनिक विज्ञान

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	भौतिक विज्ञान	21	1-13
2.	रसायन विज्ञान	29	14-39
3.	जीव विज्ञान	41	40-62
4.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	14	63-67
	कुल प्रश्न	105	

Unit-4 : तार्किक विवेचन

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	सांकेतिक भाषा परीक्षण	20	1-4
2.	रक्त सम्बन्ध	20	5-7
3.	शृंखला परीक्षण	20	8-9
4.	पासा और घन	20	10-14
5.	गणितीय संक्रियाएँ	20	15-17
6.	कैलेण्डर और घड़ी	22	18-20
7.	बैठक व्यवस्थीकरण	20	21-24
8.	आकृति सादृश्य	20	25-27
9.	आकृति शृंखला	20	28-31
10.	आकृति वर्गीकरण	20	32-34
11.	आकृतियों को गिनना	20	35-38
	कुल प्रश्न	222	

Unit-5 : गणित

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	लघुत्तम समापवर्त्य और महत्तम समापवर्तक	20	1-3
2.	भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ	21	4-6
3.	औसत	17	7-8
4.	अनुपात एवं समानुपात	15	9-11
5.	प्रतिशतता	31	12-14
6.	लाभ-हानि एवं बट्टा	21	15-16
7.	समय और कार्य	21	17-19
8.	साधारण ब्याज	15	20-21
9.	चक्रवृद्धि ब्याज	16	22-23
10.	समय, चाल एवं दूरी	25	24-26
11.	आँकड़ों का विश्लेषण	18	27-31
12.	रेखा एवं कोण	18	32-39
13.	वृत्त	10	40-43
14.	समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल	16	44-48
15.	पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन	11	49-50
	कुल प्रश्न	275	

Unit-6 : सामान्य हिंदी

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय	31	1-8
2.	संधि और संधि विच्छेद	30	9-11
3.	सामासिक पदों की रचना और समास–विग्रह	10	12-13
4.	उपसर्ग–प्रत्यय	40	14-17
5.	शब्द ज्ञानः (क) पर्यायवाची शब्द (ख) विपरीतार्थक (विलोम) शब्द (ग) शब्द युग्म (घ) वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द	54	18-20
6.	अनेकार्थक शब्द	11	21
7.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	20	22-23
8.	शब्द-शुद्धि : अशुद्ध शब्दों का शुद्धीकरण और शब्दगत अशुद्धि का कारण	25	24-26
9.	वाक्य शुद्धिः अशुद्ध वाक्यों का शुद्धीकरण और वाक्यगत अशुद्धि का कारण	20	27-29
10.	अंग्रेजी के पारिभाषिक (तकनीकी) शब्दों के समानार्थक हिंदी शब्द	25	30-32
11.	कार्यालयी पत्रों से सम्बन्धित ज्ञान, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, अर्द्धशासकीय पत्र, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति	18	33-37
	कुल प्रश्न	284	

Unit-7 : General English

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	Use of Articles and Determiners	30	1-6
2.	Use of Preposition	15	7-9
3.	Tenses/Sequence of Tenses	21	10-12
4.	Voice : Active and Passive	20	13-19
5.	Narration : Direct and Indirect	20	20-27
6.	Synonyms	25	28-29
7.	Antonyms	25	30-31
8.	Idioms & Phrases	20	32-33
9.	One Word Substitution	25	34-36
10.	Translations of Simple (Ordinary/Common) Sentences from Hindi to English and Vice-Versa	20	37-38
11.	Glossary of Official and Technical Terms with Their Hindi Versions	20	39-41
12.	Knowledge of Writing Letters: Official, Demi-Official and Informal	30	42-45
13.	Comprehension	25	46-48
	Total Questions	296	

Unit-8 : जन स्वास्थ्य

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	जन स्वास्थ्य	10	1-6
	कुल प्रश्न	10	

Unit-9 : कम्प्यूटर की जानकारी

अध्याय क्रम.	अध्याय का नाम (संपूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	कम्प्यूटर की जानकारी	24	1-15
	कुल प्रश्न	24	

उत्तरमाला

क्रम संख्या	इकाई का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	राजस्थान का सामान्य ज्ञान	1-3
2.	सामान्य ज्ञान	3
3.	दैनिक विज्ञान	3-4
4.	तार्किक विवेचन	4-5
5.	गणित	5-7
6.	सामान्य हिंदी	7-8
7.	General English	8-10
8.	जन स्वास्थ्य	10
9.	कम्प्यूटर की जानकारी	10

अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ई-बुक
(Extra Study Material E-Book)

Extra Study Material ई-बुक का Content

- तार्किक विवेचन एवं गणित के व्याख्यात्मक हल की ई-बुक
- 5 पेपर्स की ई–बुक
- डिस्काउंट कूपन दिया गया है। उसका उपयोग करें और 'www.examcart.in' से हमारी किताबें सबसे अच्छे डिस्काउंट पर खरीदें।

नोट : Link Expire होने से पहले दिए गए **QR Code** को स्कैन करके आप यह **Extra Study Material E-Book** को **Download** कर लें।

ऐसी पुस्तकें जो कोई आपको बताना नहीं चाहता!

इन अनोखी पुस्तकों ने कई छात्रों को उनके पहले प्रयास में ही परीक्षा पास करने में मदद की है और हम जो कहते हैं, उसे साबित भी करते हैं—इसीलिए हर पुस्तक के कुछ सैंपल चैप्टर दिए गए हैं। हम गारंटी देते हैं कि इन्हें पढ़ने के बाद आपको समझ आएगा कि ये पुस्तकें क्यों सबसे बेहतरीन हैं और क्यों इतने सारे छात्र इनसे सफल हुए हैं।

नोट

पढ़ने के लिए, किसी भी पुस्तक के पास दिए गए **QR Code** को स्कैन करें, उसके वेबसाइट पेज पर **"View PDF"** पर क्लिक करें। अगर पुस्तक पसंद आए, तो **Extra Study Material** ई-बुक में दिया गया डिस्काउंट कूपन इस्तेमाल करें और बेहतरीन डिस्काउंट भी पाएँ!

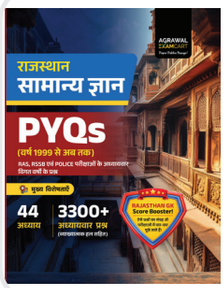

राजस्थान सामान्य ज्ञान (PYQs)

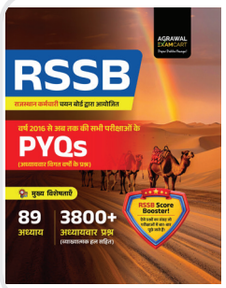

RSSB (PYQs)

राजस्थान सामान्य ज्ञान (Text Book)

अध्याय 1
प्रमुख प्राचीन सभ्यताएँ और पुरातात्विक स्थल (इतिहास के स्रोत–अभिलेख, सिक्के व सभ्यताएँ)

- राजस्थान का इतिहास जानने के लिए प्राचीन अभिलेख, सिक्के एवं सभ्यताएँ प्रमाणिक स्रोत हैं।
- राजस्थान भारत के उत्तर–पश्चिम में स्थित राज्य है।
- राजस्थान के लिए सर्वप्रथम राजपूताना शब्द का प्रयोग '**जॉर्ज थॉमस**' नामक एक अंग्रेज ने किया था, जो आयरलैण्ड का मूल निवासी था।
- राजपूताना के भू–भाग के लिए राजस्थान शब्द का उल्लेख कर्नल जेम्स टॉड की पुस्तक '**एनाल्स एण्ड एण्टीक्विटीज ऑफ राजस्थान**' में मिलता है।
- **कर्नल जेम्स टॉड** को राजस्थान के इतिहास का जनक कहा जाता है।

प्रमुख अभिलेख

- **बड़वा स्तम्भ लेख** (238–239 ई.) बाराँ जिले के बड़वा नामक स्थान से प्राप्त हुआ है। इस शिलालेख में मौखरी धनन्नात द्वारा अप्तोयाम यज्ञ को सम्पादित करने का उल्लेख मिलता है।
- **नांदसा यूप–स्तम्भ लेख** (225 ई.) यह शिलालेख भीलवाड़ा जिले के नांदसा गाँव में एक तालाब में मिला है। इस शिलालेख की स्थापना सोम के द्वारा की गई थी। इस शिलालेख के अनुसार गुणगुरू नामक व्यक्ति ने क्षत्रियों के लिए षष्ठिरात्र यज्ञ का आयोजन किया था।
- **बर्नाला यूप–स्तम्भ लेख** (227 ई.) यह शिलालेख जयपुर में बर्नाला से प्राप्त हुआ है, जिसे आमेर संग्रहालय में रखा गया है।
- **विजयगढ़ यूप–स्तम्भ लेख** (371–372 ई.) यह शिलालेख भरतपुर के विजयगढ़ दुर्ग की दीवार पर मिला है जिसमें विश्वकर्मा के मंत्री मयूराक्ष द्वारा विष्णु मंदिर के निर्माण का उल्लेख मिलता है।
- **बड़ली का लेख** (443 ई. पू.) इस शिलालेख को राजस्थान का सबसे प्राचीन तथा भारत का दूसरा सबसे प्राचीन (प्रियवा अभिलेख–प्राचीनतम) माना जाता है।
- **घोसुन्डी–शिलालेख** (द्वितीय शताब्दी ई. पू.) यह शिलालेख राजस्थान में वैष्णव सम्प्रदाय का सबसे प्राचीन अभिलेख है। इस शिलालेख में संस्कृत एवं ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया गया है।
- **मानमोरी का शिलालेख** (713 ई.) ये शिलालेख कर्नल जेम्स टॉड को चित्तौड़गढ़ में मानसरोवर झील के तट पर मिला था। इस शिलालेख के भारी होने के कारण टॉड ने इंग्लैण्ड ले जाते समय इसे समुद्र में फेंक दिया था। इस शिलालेख में अमृत मंथन का उल्लेख मिलता है।
- **घटियाला शिलालेख** (861 ई.) यह शिलालेख जोधपुर जिले के घटियाला में जैन मंदिर के पास स्थित है। इस लेख से हमें कुक्कुक प्रतिहार के बारे में जानकारी मिलती है।
- **ओसियाँ का लेख** (956 ई.) इस लेख में मानसिंह को भूमि का स्वामी एवं वत्सराज को रिपुओं का दमन करने वाला कहा गया है।
- **बिजौलिया का लेख** (1170 ई.) यह शिलालेख भीलवाड़ा के बिजौलिया गाँव के पार्श्वनाथ मंदिर में लगा है। इस शिलालेख से साँभर और अजमेर के चौहान वंश के बारे में जानकारी मिलती है। इस लेख के अनुसार चौहानों की उत्पत्ति वत्सगोत्र के ब्राह्मण से हुई है।
- शंकरघट्टा शिलालेख (713 ई.) में मग जाति के ब्राह्मणों का वर्णन है।
- रणकपुर प्रशस्ति (1339 ई.) रणकपुर के चौमुखा मंदिर के एक खम्भे पर उत्कीर्ण है। इसमें बप्पा रावल से कुम्भा तक के राजाओं का उल्लेख मिलता है।
- शृंगी ऋषि का शिलालेख (1428 ई.) एकलिंगी से 6 मील की दूरी पर मिला है। यह शिलालेख संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है।
- कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति (1460 ई.) चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित है। इस प्रशस्ति में कुम्भा का दानगुरु, शैलगुरु और राजगुरु के नाम से उल्लेख किया गया है। कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति में कुम्भा द्वारा लिखे गए ग्रन्थ गीत गोविन्द, संगीतराज और चण्डीशतक का वर्णन है।
- कुम्भलगढ़ शिलालेख (1460 ई.) में मेवाड़ के महाराणाओं का उल्लेख है।
- आमेर शिलालेख (1657 ई.) में कछवाहा राजाओं का वर्णन है। इस शिलालेख में कछवाहा शासकों को रघुवंश तिलक कहा गया है।

सिक्के

- उदयपुर के आहड़ कस्बे में खुदाई से 6 ताँबे के सिक्के एवं इण्डो–ग्रीक मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं। इण्डोग्रीक मुद्राओं में एक तरफ दोनों हाथों में तीर लिए हुए 'अपोलो' तथा दूसरी ओर 'महाराजन त्रतर्स' अंकित है।
- रैढ़ से उत्खनन करने पर 3075 चाँदी के पंचमार्क सिक्के प्राप्त हुए। रैढ़ वर्तमान में टोंक जिले में है। रैढ़ को 'प्राचीन भारत का टाटा नगर' कहते हैं।
- मालवगण के सिक्के रैढ़ व राजस्थान के पूर्वी भागों में हजारों की संख्या में मिले हैं। इन सिक्कों पर 'मालवानां जय' अथवा अग्रभाग पर 'बोधिवृक्ष' अंकित रहता है।
- शाहपुरा रियासत के सिक्कों को 'ग्यारसंदिया' कहते हैं। यहाँ के ताँबे के सिक्कों को 'माधोशाही' सिक्का कहते हैं।
- धौलपुर रियासत में प्रचलित सिक्कों पर तमंचे के चिह्न के कारण इन सिक्कों को 'तमंचाशाही' सिक्के कहा जाता है।
- मारवाड़ में ताँबे का 'ढब्बूशाही' रुपया चलता था। जैसलमेर में चाँदी का 'मुहम्मदशाही', 'अखेशाही' व ताँबे का 'डोडिया' सिक्का चलता था।

- करौली में 'कटार झाड़ शाही' व 'माणक शाही' सिक्के चलते थे। कोटा में 'हाली', 'मदनशाही', 'लक्ष्मणशाही', 'मुहम्मद बींदारबक्ष' नाम के सिक्के चलते थे।
- जयपुर रियासत के मुगलों से निकटता के कारण यहाँ पर सबसे पहले टकसाल की स्थापना हुई थी। यहाँ पर 'झाड़शाही', पासवान रसकपूर के नाम से सिक्के, हाली सिक्का तथा ताँबे का 'पुराना झाड़शाही पैसा', 'मुहम्मदशाही' सिक्के प्रचलित थे।
- जोधपुर राज्य में सोजत की टकसाल में लल्लूलिया रुपया, विजयशाही, तख्तसिंह तथा ताँबे के ढब्बूशाही एवं भीमशाही सिक्कों का प्रचलन था।
- ब्रिटिश भारत का राजस्थान में सबसे प्राचीन सिक्का 'चाँदी का कलदार' था।

प्राचीन सभ्यता

- राजस्थान में हड़प्पा सभ्यता से संबंधित जितने भी तथ्य मिले हैं उनमें इनकी लिपि को 'बुस्टोफिदन लिपि' के नाम से भी जाना जाता है।
- डॉ अमलानन्द घोष को कालीबंगा सभ्यता का प्रथम खोजकर्ता माना जाता है। वर्तमान में यह सभ्यता हनुमानगढ़ जिले में पीलीबंगा से लगभग 5 किमी. दूर घग्घर नदी के मुहाने पर मिली है। कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ 'काले रंग की चूड़ियाँ' हैं।
- **कालीबंगा** की सड़कें समकोण पर काटती थीं। यहाँ पर बने मकानों की पद्धति को 'ऑक्सफोर्ड पद्धति'/ ग्रिड पद्धति/ चेम्स फोर्ड पद्धति कहा जाता है। कालीबंगा के मकान कच्ची ईंटों से बने हुए हैं इसलिए कालीबंगा को 'दीन–हीन बस्ती' भी कहते हैं।
- कालीबंगा से मिले स्नानागारों में लकड़ी की नाली का उपयोग किया गया है। यहाँ से हल से जुते हुए खेतों के अवशेष मिले हैं।
- कालीबंगा से प्राप्त एक मुद्रा पर व्याघ्र (चीता) का एवं एक सिक्के पर महिला कुमारी देवी का चित्र अंकित है। यहाँ से प्राप्त बेलनाकार मोहरों का संबंध मेसोपोटामिया से बताया जाता है।
- कालीबंगा सिंधु सभ्यता की तीसरी प्रमुख राजधानी थी।
- कालीबंगा से भारत के सबसे प्राचीन सामूहिक तंदूर के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- **आहड़ सभ्यता** का उत्खनन कार्य 1953 ई. में अक्षय कीर्ति व्यास तथा 1956 ई. में रतनचंद्र अग्रवाल ने किया।
- आहड़ सभ्यता का प्राचीन नाम 'ताम्रवती' तथा बनास नदी के पास विकसित होने के कारण इसे 'बनास सभ्यता' भी कहा जाता है।
- आहड़ सभ्यता से प्राप्त एक मुद्रा पर त्रिशूल तथा दूसरी पर यूनानी देवता अपोलो खड़ा हुआ दिखाया गया है जिसके हाथों में तीर व पीछे तरकश है।
- आहड़ सभ्यता से टेराकोटा से निर्मित वृषभ (बैल) की आकृति प्राप्त हुई है जिसे 'बनासियल बुल' कहा गया है।
- आहड़ सभ्यता के लोगों के आभूषण मिट्टी के मनकों के बने होते थे। यहाँ से ताँबा गलाने की भट्ठियाँ भी प्राप्त हुई हैं।
- **गणेश्वर सभ्यता** कांतली नदी के किनारे स्थित है। इस सभ्यता को 'पुरात्व का पुष्कर' भी कहा जाता है।
- गणेश्वर सभ्यता को 'पूर्व हड़प्पा कालीन या ताम्रयुगीन सभ्यता' भी कहा गया है।
- गणेश्वर सभ्यता में मकानों का निर्माण पत्थरों से किया गया है, ईंटों का प्रयोग यहाँ पर बिल्कुल भी नहीं किया गया है।
- गणेश्वर सभ्यता से प्राप्त मृद्भांडों को कपिषवर्णी मृदपात्र कहा गया है।
- गणेश्वर सभ्यता से हमें ताँबे का बाण व मछली पकड़ने का काँटा आदि उपकरण मिले हैं।
- बैराठ सभ्यता जयपुर जिले के शाहपुरा उपखण्ड में विराटनगर की बीजक, गणेश व भीम की डूँगरी में बाणगंगा नदी के मुहाने पर मिली हैं।
- बैराठ का प्राचीन नाम 'विराटनगर' था,यह महाजनपद काल में मत्स्य जनपद की राजधानी था।
- बैराठ से मौर्यकालीन ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण सम्राट अशोक का शिलालेख (भाबू शिलालेख) प्राप्त हुआ है। यह शिलालेख एक पहिए पर बुस्टोफीदन शैली में खुदा हुआ है।
- अंग्रेज अधिकारी कालाईल ने भीम की डूँगरी से एक और अशोक का शिलालेख प्राप्त किया है।
- भारत में सर्वप्रथम मंदिर के अवशेष यहीं से प्राप्त किए गए हैं, बीजक की पहाड़ी से बौद्ध विहार, स्तूप (हीनयान शाखा), बुद्ध की मथुरा शैली में बनी हुई प्रतिमा मिली है।
- **बैराठ** में सर्वाधिक शैलचित्रों की खोज होने के कारण इसे 'प्राचीन युग की चित्रशाला' कहा जाता है।
- राजस्थान में ह्वेनसांग सर्वप्रथम भीनमाल (जालौर) में आया था। ह्वेनसांग को तीर्थयात्रियों में 'राजकुमार' कहकर पुकारते थे।
- बागोर सभ्यता भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी पर स्थित है। बागोर सभ्यता से भारत के प्राचीनतम पशुपालन के अवशेष मिलते हैं।
- बागोर सभ्यता को 'आदिम संस्कृति का संग्रहालय' कहा जाता है। बागोर से उत्खनन किये गये स्थान को 'महासतियों का टीला' कहा जाता है।
- **बालाथल की सभ्यता :** उदयपुर जिले की वल्लभनगर तहसील के बालाथल ग्राम में 1993 ई. में पूना विश्वविद्यालय के प्रो.वी.एन. मिश्र के निर्देशन में हुए उत्खनन से एक ताम्र पाषाणिक सभ्यता प्रकाश में आई।
- यहाँ के उत्खनन से प्राप्त मृद्भाण्डों, ताँबे के औजारों और मकानों पर सिंधु घाटी सभ्यता का प्रभाव दिखाई देता है। हड़प्पा सभ्यता से इसके संपर्क के पुख्ता प्रमाण मिलते हैं।
- बालाथल में 1800 ईसा पूर्व के लगभग ताम्र पाषाणिक सभ्यता तथा 600 ईसा पूर्व के लगभग लौहयुगीन सभ्यता आबाद होने का पुरातत्वशास्त्रियों का अनुमान है।
- यहाँ से लोहा गलाने की पाँच भट्टियों के अवशेष भी प्राप्त हुए हैं।
- रैढ़ सभ्यता ढील नदी के किनारे पर स्थित थी। रैढ़ सभ्यता वर्तमान में टोंक जिले की निवाई तहसील के पास स्थित है।

- रैढ़ से हमें मातृदेवी व गजमुखी यक्ष की मूर्ति तथा एशिया का सबसे बड़ा सिक्कों का भण्डार मिला है। रैढ़ को प्राचीन भारत का टाटा नगर कहा जाता है।
- गिलूण्ड सभ्यता राजसमन्द जिले में बनास नदी के तट पर स्थित है।
- नोह सभ्यता भरतपुर जिले के नोह गाँव में स्थित है। नोह सभ्यता महाभारत व लौह कालीन है।
- नोह सभ्यता से महाभारत से लेकर शक सातवाहन तक की 5 संस्कृतियों के अवशेष मिले हैं।
- रंगमहल सभ्यता सूरतगढ़ तहसील के पास सरस्वती नदी के किनारे अवस्थित है।
- रंगमहल सभ्यता का उत्खनन स्वीडन के डॉ. हन्नारिड के नेतृत्व में किया गया था।
- सुनारी सभ्यता से लोहा गलाने की प्राचीन भट्ठियाँ मिली हैं।
- नगरी सभ्यता से शिवी जनपद के सिक्के व चार वक्राकार कुएँ मिले हैं।
- किरोडोत सभ्यता से ताँबे की 28 चूड़ियाँ प्राप्त हुई हैं। नगर सभ्यता का प्राचीन नाम मालव प्रदेश था।
- छाजा नदी के किनारे बूँदी जिले में देश की पहली 'बर्ड राइडर रॉक पेंटिंग' प्राप्त हुई है।
- ओझियाना सभ्यता से हमें साबुत मिट्टी के बर्तन मिले हैं, जिन्हें 'डीलक्स टाइप वेयर' कहा जाता है।
- आर्य राजस्थान में सर्वप्रथम सरस्वती व द्वैषवती नदी के किनारे पर आकर बसे।
- राजस्थान में मालव जनपद के सर्वाधिक सिक्के प्राप्त हुए हैं, परन्तु इनके मूल स्थान पंजाब से इस जनपद का एक भी सिक्का प्राप्त नहीं हुआ है।
- महाभारत काल में वर्तमान जोधपुर व बीकानेर के क्षेत्र को जांगल प्रदेश कहते थे।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान आहड़ सभ्यता से सम्बन्धित नहीं है?
(A) रोजड़ी (B) गिलूण्ड
(C) भगवानपुरा (D) आभानेरी
(E) अनुत्तरित प्रश्न

2. राजस्थान की भाषा के लिए 'राजस्थानी' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था ?
(A) कवि कुशल लाभ
(B) सूर्यमल्ल मिश्रण
(C) जार्ज अब्राहम ग्रीसन
(D) जैम्स टॉड
(E) अनुत्तरित प्रश्न

3. किस शिलालेख में चौहानों को 'वत्सगोत्र' ब्राह्मण कहा गया है ?
(A) चीरवा शिलालेख
(B) शृंग ऋषि का शिलालेख
(C) बिजौलिया शिलालेख
(D) अपराजित का शिलालेख
(E) अनुत्तरित प्रश्न

4. गणेश्वर सभ्यता किस काल से सम्बन्धित है ?
(A) हड़प्पा काल (B) लौह युग
(C) ताम्र/कांस्य युग (D) पुरापाषाण काल
(E) अनुत्तरित प्रश्न

5. निम्नलिखित में से कौन-सा मण्डोर के प्रतिहारों के इतिहास की जानकारी देता है ?
(A) सम्मोली अभिलेख
(B) घटियाला अभिलेख
(C) बीजापुर अभिलेख
(D) अरथुना अभिलेख
(E) अनुत्तरित प्रश्न

6. निम्न में से राजस्थान की ताम्र-युगीन सभ्यता में सबसे प्रमुख सभ्यता कौन-सी है?
(A) आहड़ (B) कालीबंगा
(C) बैराठ (D) बागोर
(E) अनुत्तरित प्रश्न

7. बिजौलिया शिलालेख किस चौहान नरेश के काल का है ?
(A) सोमेश्वर (B) पृथ्वीराज
(C) अजयराज (D) हरिराज
(E) अनुत्तरित प्रश्न

8. राजस्थान में पाषाणयुगीन संस्कृति कहाँ प्राप्त हुई?
(A) रेगिस्तानी क्षेत्र में
(B) नदियों और सहायक नदियों के किनारे
(C) अरावली पर्वत शृंखलाओं में
(D) जंगलों में
(E) अनुत्तरित प्रश्न

9. आहड़ सभ्यता का उत्खन्न कार्य सर्वप्रथम किसके नेतृत्व में हुआ ?
(A) दयाराम साहनी
(B) अमलानन्द घोष
(C) अक्षय कीर्ति व्यास
(D) रत्न चन्द अग्रवाल
(E) अनुत्तरित प्रश्न

10. निम्नलिखित में से किस संस्कृति को 'बनास संस्कृति' भी कहा जाता है?
(A) रैड संस्कृति (B) बैराठ संस्कृति
(C) आहड़ संस्कृति (D) दृषद्वती संस्कृति
(E) अनुत्तरित प्रश्न

❑❑